# दिनांक ३० अप्रैल २०१३ को ११:५५ बजे भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय के गोड्डा जिला में भ्रमण के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण

भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय, सांसद-सह-अध्यक्ष जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड श्री नवीन जिंदल सहित अन्य सांसदगण, विधायकगण, सभी अधिकारीगण, पत्रकार बंधुओं और झारखण्ड के मेरे प्यारे भाइयों एवं बहनों,

जोहार !

झारखण्ड राज्य को कुदरत ने खूब नेमतें बख्शी है। यह राज्य खनिज संपदा से परिपूर्ण है। इस राज्य में बहुमुखी विकास की अनंत संभावनाएँ हैं। इस राज्य ने विकास तो किया है, लेकिन हमारे पूर्वजों ने जिस विकसित समाज का सपना देखा था, उस राह में हमें अभी बहुत आगे जाना है।

खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखण्ड राज्य में उद्योगों के विकास की असीम संभावनाएँ हैं। यह सर्वविदित है कि किसी भी मुल्क अथवा राज्य की तरक्की में वहां कायम उद्योगों की भूमिका अहम होती है, चाहे वह बड़े उद्योग हों या कुटीर उद्योग अथवा लघु उद्योग। भूमण्डलीकरण के इस युग में इसकी भूमिका और

भी मायने रखती है। अत: राज्य में उद्योग-धंधे का व्यापक विस्तार हो, इस ओर प्रयास करने की जरूरत है।

राष्ट्रपति महोदय के द्वारा आज गोड्डा जिला में १३२० मेगावाट थर्मल पावर प्लांट, मेगा टेक्सटाईल कलस्टर, राजकीय पोलिटेकनिक कॉलेज तथा मॉडल कॉलेज की आधारशिला रखी गई है। ये सभी योजनायें गोड्डा जिला एवं क्षेत्र के विकास के मद्देनजर काफी महत्त्वपूर्ण है। राज्य के चहुँमुखी विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध एवं क्रियाशील है। मुझे पूरी आशा है कि ये सभी योजनाएँ जनता की उम्मीदों को पूरा करेगी।

हमें बेहद खुशी है कि झारखण्ड राज्य के प्रथम मेगा पावर स्टेशन की नींव रखी गई है, राज्य की तरक्की की दिशा में यह काफी सार्थक कदम है। इस पावर स्टेशन से न सिर्फ इस इलाके को, वरन् झारखण्ड को काफी लाभ होगा। बिजली की उपलब्धता से इस क्षेत्र में छोटे और मंझोले, विशेषकर कृषि आधारित उद्योगों का रास्ता प्रशस्त होगी। केन्द्र सरकार के सहयोग से गोड्डा जिला में मेगा टेक्सटाईल कलस्टर की स्थापना होने से २५००० (पच्चीस हजार) हैण्डलूम लगेंगे, जिससे लगभग एक लाख लोगों को रोजगार मुहैया हो पायेगा। मुझे आशा है कि इससे भगैया/ गोड्डा का नाम कॉंचीपुरम, पोचमपल्ली इत्यादि प्रमुख/टेक्सटाइल केन्द्रों के साथ गिना जायेगा।

छात्र-छात्राओं को तकनीकी शिक्षा सुलभ कराने के मकसद से यहाँ राजकीय पोलिटेकनिक कॉलेज की आधारशीला रखी गई है। मॉडल कॉलेज की स्थापाना इस क्षेत्र में उच्च कोटि की शिक्षा सुलभ कराने का दूसरा विशिष्ट कोशिश है। मैं छात्र-छात्राओं से कहना चाहूँगा कि वे पढ़ें-लिखें, ऐसा कार्य करें, जिस पर पूरा देश उस पर नाज करें। वे जहाँ जायें रौशनी फैलायें।

आज सभी को यह समझना होगा कि देश को यदि तरक्की के पथ पर आगे ले जाना है और ऊँचा मुकाम पाना है, तो उसे अपनी युवा शक्ति को शिक्षित तथा अनुशासित बनाने की शर्त को पूरा करना होगा क्योंकि हमारा देश युवाओं का देश है और युवा वर्ग एक बेशकीमती मानव संसाधन है।

प्रिय राज्यवासियों, हमने कई क्षेत्रों में कामयाबियाँ हासिल की हैं, लेंकिन आज भी हमारे सामने कई चुनौतियाँ हैं जिसका सामना हम सबको मिलकर करना होगा। देश की आजादी के वक्त पं० जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि "अभी हमें मीलों चलना है"। आज हम सबको संकल्प लेना होगा कि हम पूरे जोश और विश्वास के साथ सबको साथ लेकर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

अन्त में मैं यही कहना चाहूँगा कि हमारा सपना है कि हमारे राज्य की गिनती विकसित राज्यों की कतार में हो, जिसमें

आप सभी के सहयोग की जरूरत है। यहां आये हुए भारी तादाद में लोगों के चेहरे पर खुशी यह बयाँ कर रही है कि राज्य की तरक्की के लिए किए जा रहे प्रयासों में वे सभी प्रकार से सहयोग करने के लिए तैयार है। चूँकि राष्ट्रपति जी ने इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी है और झारखण्ड के विकास के लिए हमेशा चिंतित रहे हैं, अतः मुझे पूरा विश्वास है कि उनका आशीष तथा केन्द्र सरकार का सहयोग इस राज्य के विकास के लिए हमेशा मिलता रहेगा।

पुनः मैं शिलान्यास समारोह के शुभ अवसर पर आप सबों को मुबारकबाद देता हूँ।

जय हिन्द ! जय झारखण्ड !